अन्तर्राश्ट्रीय आलू वर्श–2008

वर्ष, 2008 अन्तराष्ट्रीय आलू वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। आलू संसार चौथी सबसे महत्वपूर्ण फसल है। आलू हमेशा से ही गरीब का मित्र रहा है। इसके बिना किसी भी प्रकार की सब्जी की कल्पना अधूरी सी लगती है। आलू एक ओर तो स्वाद बढ़ाता है वहीं दूसरी ओर बच्चें इसे बड़े चाव से खाते है। आलू का उदगम दक्षिण अमेरिका के केन्द्रीय एनडियन क्षेत्र में माना जाता है। आलू को विश्वभर में उगाया जाता है। इसका उत्पादन एनडिस में लगभग 8000 वर्षों से होता है। आलू को स्पेन निवासियों द्वारा यूरोप में 16 वीं शताब्दि में लाया गया। शीध्र ही आलू पूरे विश्व में फैल गया। आज लगभग विश्व में 195000 वर्ग किलोमीटर पर आलू का उत्पादन किया जाता है। वर्ष 2006 में 315 मिलियन टन आलू उत्पादित किया गया। उल्लेखनीय है कि कुल उत्पादन का आधा से अधिक भाग केवल विकासशील देशों में उत्पन्न होता है।

वि
उत्पादन
प्रतिशत
यद्यपि
उपभोग
विश्व
इसका
उपभोग

अगले दो दशकों में विश्व में औसतन 100 मिलियन से अधिक आलू उत्पादन की उम्मीद है, जिसका 95 प्रतिशत विकासशील देशों में किया जायेगा। जहां भूमि एवं जल पर पहले से ही तीव्र दबाव प्राकृतिक संसाधन जिन पर हम निर्भर करते है को दृष्टिगत रखते हुये मुख्य चुनौती, समुदाय वर्तमान एवं भविष्य हेतु खाद्य सुरक्षा है का सामना करना है। आलू का उत्पा चुनौतियों का सामना करने हेतु महत्वपूर्ण साबित होगें।

विश्व में वर्ष 1900 से 2006 तक आलू का उत्पादन

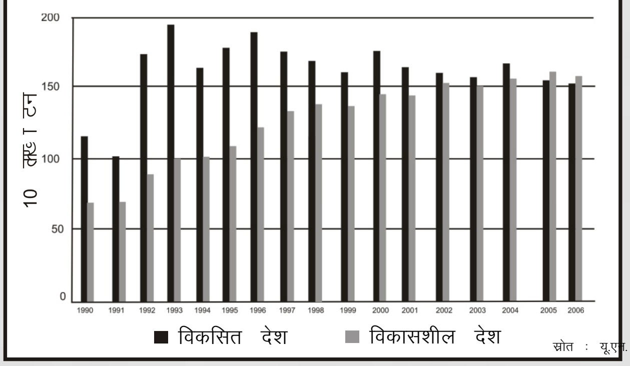

स्रोत : यू.एन.

आलू भारतीय परिवेश में

आलू भारत में प्रमुख्ता के साथ उगाया जाता है। देश में आलू का उ 9,38,400 हैक्टेयर पर किया जाता है जोकि कृषि अन्तर्गत भूमि का 0.67 प्रतिशत है। को भारत में यूरोप से पुर्तगालियों द्वारा 17 वीं शताब्दि के आरंभ में लाया गया। पुर्तग ही सर्वप्रथम पूर्व हेतु मुक्त व्यापार मार्ग बनाया। यह उल्लेखनीय है कि भारत का उत्पादन में तीसरा स्थान एवं उत्पादन के अन्तर्गत क्षेत्र में 4 स्थान रखता है। आलू स्थिति भारत का दूसरा स्थान है। आलू के सब्जी हेतु महत्व को दृष्टिगत रखते हु प्रमुखता के साथ उत्पादित किया जाता है। आलू सस्ता होने के साथ–साथ मनुष्य को भी प्रदान करता हैं। भारत में विभिन्न प्रकार के आलू की खेती होती है। अगेती फ 70–90 दिन , मध्यम हेतु 90–100 दिन एवं पिछेती हेतु 100–130 दिन का समय ल आलू का प्रयोग सब्जी, पकोडे,, सस्टार्च, चिप्स, पापड, ग्लूकोस मादक बनाने एवं इ पौधा पशु चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है। कुपोषण की समस्या का भी निदान प्रधान भोजन के रूप में अपना कर किया जा सकता है। भारत में 13 किलो/प्रति प्रति वर्ष की दर से आलू का उपयोग होता हैं

आलू उत्पादन का अंतर्राष्ट्रीय परिदृष्य

क्षेत्रवार स्थिति (2001–03 में)			उत्पादन स्थिति (2001–03 में)		
रैंक	देश	क्षेत्र हैक्टेअर	रैंक	देश	उत्पादन (टन में)
1	चाइना	4,630,454	1	चाइना	68,892,594
2	रशिया	3,195,433	2	रशिया	34,860,837
3	यूक्रेन	1,599,000	3	भारत	23,191,200
4	भारत	1,255,669	4	अमेरिका	20,513,490
5	पोलैंड	921,129	5	यूक्रेन	17,487,833
	विश्व	19,124,181		विश्व	313,770,639

Source : Area Production and Yield for India.mht

देश में आलू उत्पादन का राज्य वार वि

वर्ष 2004–2005 के अनुसार

राज्य	क्षेत्र (हैक्टेयर में)	उत्पादन (टन में)	पैदावार (कुन्तल/है.)
उत्तर प्रदेश	440	9821.7	223.2
पश्चिमी बंगाल	318.1	7076.6	222.5
बिहार	138.7	1062.8	76.6
आसाम	73.1	589.1	80.6
मध्य प्रदेश	45.6	752.6	165.0
पंजाब	65.1	1338.1	205.5
उत्तरांचल	16.6	261.2	157.3
कर्नाटका	52.0	361.0	69.4
हिमांचल प्रदेश	13.3	158.8	119.4
महाराष्ट्र	16.3	74.7	45.8

Source : Area Production and Yield for India.mht

आलू के अन्य धान के सापेक्ष खाद्य मान (फूड वैल्यू)

फसल	कार्बोहाइडेट	प्रोटीन	वसा	रेशे	ऊर्जा
गेंहू	519	81	10	7	2422
चावल	710	64	11	7	3163
आलू	1335	139	7	69	6664

सभारः पोटैटो इन इण्डिया (1977) सीपीआरआई, शिमला

आलू को मूल तत्व मान कर लक्ष्य हेतु रणनीतियां तैयार करनी चाहिए, जिससे निम्न जीवन स्तर व्यतीत करने वाले मनुष्य भी पौष्टिक तत्व पाते हुये अपनी भूख मिटा सकेंगें। उन स्थनों में भी आलू की खेती उचित है जहाँ काम करने वाले तो बहुत है परन्तु भूमि सीमित है। आलू एक पौष्टिक फल है जो शीघ्र उत्पादित होता है। इस पौधे का लगभग 85 प्रतिशत भाग मनुष्यों द्वारा उपयोग किया जाता है।

आलू में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत अधिक होती है जोकि इसे ऊर्जा को अच्छा स्त्रोत बनाता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा सर्वाधिक होती है, जिसकी आति एमिनो एसिड की भांति होती है जोकि मनुष्य की आवश्यकताओं से मिलती है। छोटे से आलू में विटामिन सी की मात्रा काफी होती है जोकि मनुष्य के द्वारा वांछित आधी (विटामिन स) दैनिक आवश्यकता को पूरा करता है।

उत्तराखण्ड में आलू

उत्तराखण्ड की अर्थिकी कृषि पर निर्भर है करने वाली जनसंख्या का लगभग 4/5 कृषि कार्यों में लगा है। प्रदेश की भूमि प्रतिशत क्षेत्र कृषि में उपयोग होता है। प्रतिशत क्षेत्र सिंचाई एवं लगभग 64 प्रतिश झरने आदि पर निर्भर करता है।

उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिशद

उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद जैविक बढावा देने हेतु अग्रसर है परिषद ने इस महत्वपर्णू कदम उठायें है। परिषद के अ कई फसलों का प्रमाणीकरण किया जाता उन्हीं में से एक है आलू। आलू सस्ता होने के कारण प्रत्येक व्यक्ति इस का उपयोग कर सकता है। उत्तराखण्ड में जैविक के अ चम्बा के सिल्कोटी, चोपडियाल

उत्तराखण्ड में प्रमाणित जैविक आलू को क्षेत्रवार उत्पादन

क्र.स.	जिला	ब्लॉक	सुक्ष्म जैविक गाँव	क्षेत्र(हे)
(अ) 1.	गढ़वाल डिवीजन टिहरी चोपडियाल जाखणिधार जौनपुर	चम्बा करनास अलमास	सिल्कोटी .05	5.15 4.13 7.02
(ब) 1.	कुमाऊँ डिवीजन नैनीताल रामग्रह चम्पावत पाटी	रामग्रह सुपी पाटी लोहाघाट	सुपीताला 2.05 रोलमाईल जोलआरी मनगोली खासीखानदी	2 3.53 1.55 5 1
			कुल	29.38